

उत्तर प्रदेश में बागवानी और खाद्य प्रसंस्करण को बढ़ावा देने के लिये उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना

चर्चा में क्यों?

22 मई, 2022 को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जारी एक प्रेस रिलीज़ के अनुसार राज्य में बागवानी और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को बढ़ावा देने के लिये अगले पाँच वर्षों में सभी 75 ज़िलों में उत्कृष्टता केंद्र और मनी उत्कृष्टता केंद्र/हाई-टेक नर्सरी स्थापित की जाएगी।

प्रमुख बटु

- बहराइच, अंबेडकर नगर, मऊ, फतेहपुर, अलीगढ़, रामपुर और हापुड़ में सरकार द्वारा स्थापित ये हाई-टेक नर्सरी पहले ही चालू हो चुकी हैं जबकि चंदौली, कौशांबी, सहारनपुर, लखनऊ, कुशीनगर और हापुड़ में उत्कृष्टता केंद्र नरिमाणाधीन हैं।
- फलों और सबज़ियों के लिये क्रमशः बस्ती और कन्नौज में इंडो-इज़राइल सेंटर फॉर एक्सीलेंस की स्थापना की गई है ताकि किसानों को गुणवत्तायुक्त पौधे मल्ल सकें।
- वही सोनभद्र, मुरादाबाद, आगरा, संत कबीर नगर, महोबा, झाँसी, बाराबंकी, लखनऊ, चंदौली, गोंडा, बलरामपुर, बदायूँ, फर्रिज़ाबाद, शामली और मरिज़ापुर में मनी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस/हाई-टेक नर्सरी नरिमाणाधीन हैं।
- उत्तर प्रदेश सरकार ने बागवानी फसलों की खेती के कषेत्र को 6 परतशित से बढ़ाकर 16 परतशित करने तथा फलों, सबज़ियों और मसालों के प्रसंस्करण के साथ-साथ समग्र उपज बढ़ाने के लिये खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों को 6 परतशित से बढ़ाकर 20 परतशित करने का महत्त्वाकांक्षी लक्ष्य नरिधारित किया है।
- उल्लेखनीय है कि पिछले पाँच वर्षों में फूलों और सबज़ियों की पैदावार बढ़ाने के लिये 177 हेक्टेयर में पॉली हाउस/शेड नेट का वसितार किया गया है, जसिसे 5,549 किसान लाभान्वति हुए हैं।